

**मुख्यमंत्री ने सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के
प्रतिनिधिमण्डल के साथ उच्चस्तरीय बैठक की**

**मुख्यमंत्री ने मे० ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्रा०लि० को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया
प्रदेश में नए निवेश को गति देने के लिए वैश्विक कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण कम्पनी
एग्रोकोर्प इण्टरनेशनल तथा सतत अपशिष्ट प्रबन्धन में अग्रणी वैश्विक कम्पनी
ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेन्टल सॉल्यूशंस के साथ एम०ओ०यू० का आदान-प्रदान**

**सिंगापुर की तकनीक और उ०प्र० का सामर्थ्य मिलकर
वैश्विक विकास की नई इबारत लिखेंगे : मुख्यमंत्री**

**‘एम०ओ०यू० से मैनुफैक्चरिंग’ और ‘ग्राउण्ड ब्रेकिंग से प्रोडक्शन’
तक निवेशकों के साथ उ०प्र० सरकार मजबूती के साथ खड़ी**

**प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकण्डक्टर, डेटा सेन्टर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन
प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की**

लखनऊ : 28 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख ग्रोथ इंजन बनाने और 01 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंगलवार को राजधानी लखनऊ में सिंगापुर के शीर्ष उद्योगपतियों एवं निवेशकों के 14 सदस्यीय उच्चस्तरीय व्यापारिक प्रतिनिधिमण्डल के साथ विस्तृत चर्चा की। सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमण्डल ने प्रदेश में लॉजिस्टिक्स, सेमीकण्डक्टर, डेटा सेन्टर, ग्रीन एनर्जी, अर्बन प्लानिंग और हॉस्पिटैलिटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में बड़े निवेश की इच्छा व्यक्त की। यह प्रतिनिधिमण्डल फरवरी में मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा के बाद अब उत्तर प्रदेश के दौरे पर आया है।

प्रतिनिधिमण्डल का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आधुनिक सिंगापुर के निर्माता स्वर्गीय ली कुआन यू के विजन ने दुनिया को दिखाया कि किसी देश की वैश्विक पहचान उसके भौगोलिक आकार से अधिक उसकी दृष्टि, कार्यक्षमता और संसाधनों के कुशल उपयोग से बनती है। विगत 12 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ‘फ्रैजाइल’ अर्थव्यवस्था की स्थिति से निकलकर दुनिया की अग्रणी और सशक्त अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित हुआ है। इसी प्रकार, पिछले साढ़े नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश भी ‘बीमारू’ छवि से बाहर निकलकर देश के ग्रोथ इंजन के रूप में उभरा है। प्रदेश की जी०डी०पी०, वार्षिक बजट और प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हुई है। वर्कफोर्स में महिलाओं की

भागीदारी भी तीन गुना बढ़ी है। बिना जनता पर कोई नया कर लगाए उत्तर प्रदेश निरन्तर रेवेन्यू-सरप्लस राज्य बना हुआ है।

फरवरी, 2026 में सिंगापुर यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति श्री थर्मन षण्मुगरत्नम जी और प्रधानमंत्री श्री लॉरेंस वोंग जी से हुई मुलाकातों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उस दौरान लगभग 60,000 करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर सहमति बनी थी। सिंगापुर रोड शो के दौरान राज्य सरकार ने निवेशकों को 'सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड' का जो भरोसा दिया था, प्रदेश आज भी उसी कमिटमेंट के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट किया कि अब लक्ष्य निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू कराने का है। 'एम0ओ0यू0 से मैन्युफैक्चरिंग' और 'ग्राउण्ड ब्रेकिंग से प्रोडक्शन' तक की पूरी प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार निवेशकों के साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और हर स्तर पर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराएगी।

मुख्यमंत्री जी ने प्रतिनिधिमण्डल के समक्ष जेवर स्थित नोएडा इण्टरनेशनल एयरपोर्ट के निकट डेडिकेटेड 'सिंगापुर सिटी' और हाई-टेक इण्डस्ट्रियल टाउनशिप विकसित करने का प्रस्ताव रखा। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के संगम तथा विश्वस्तरीय एक्सप्रेसवे नेटवर्क से जुड़ा यह क्षेत्र अन्तरराष्ट्रीय कम्पनियों के लिए उत्तर भारत का प्रमुख सप्लाय चैन हब बनने की क्षमता रखता है। औद्योगिक निवेश के लिए प्रदेश में 75 हजार एकड़ से अधिक का लैण्ड बैंक उपलब्ध है और 27 इण्टीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग एण्ड लॉजिस्टिक्स क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। वहीं, लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में स्थापित यूपी डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर के छह स्ट्रैटेजिक नोड्स को 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

साझेदारी को ठोस परिणामों तक पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री जी ने छह प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया। इनमें जेवर, एक्सप्रेस-वे और फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स एवं वेयरहाउसिंग का विकास, सेमीकण्डक्टर फैब यूनिट और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसी हाई-टेक मैन्युफैक्चरिंग, डेटा सेन्टर, क्लाउड सर्विसेज एवं आर्टिफिशियल इण्टेलिजेंस तथा सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन, वेस्ट मैनेजमेंट और वॉटर रिसाइक्लिंग जैसी क्लीन टेक्नोलॉजी शामिल हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज देश के कुल मोबाइल उत्पादन का लगभग 55 प्रतिशत और इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट्स का 60 प्रतिशत निर्माण उत्तर प्रदेश में हो रहा है। उन्होंने प्रदेश की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की 'फूड बास्केट' के रूप में उत्तर प्रदेश का योगदान महत्वपूर्ण है। प्रदेश में देश के 21 प्रतिशत खाद्यान्न उत्पादन और सिंगापुर के हाई-क्वालिटी फूड पैकेजिंग एवं एक्सपोर्ट मॉडल के बीच साझेदारी की व्यापक सम्भावनाएं हैं।

टूरिज्म और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर की सम्भावनाओं पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाकुम्भ-2025 के भव्य और सफल आयोजन ने पूरी दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश की विशाल प्रबन्धन एवं आयोजन क्षमता को प्रस्तुत किया है। इस अनुभव और क्षमता को आधुनिक टूरिज्म फैसिलिटीज तथा वेलनेस प्रोजेक्ट्स से जोड़कर नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। अयोध्या, काशी, मथुरा-वृन्दावन, प्रयागराज और बौद्ध सर्किट जैसे वैश्विक आध्यात्मिक केन्द्रों में वर्ल्ड-क्लास होटल्स, कन्वेंशन सेन्टर्स और हॉस्पिटैलिटी सर्विसेज के विकास की व्यापक सम्भावनाएं हैं। इसके साथ ही लखनऊ, स्टेट कैपिटल रीजन और नई टाउनशिप्स के सुनियोजित विकास में सिंगापुर की विश्वप्रसिद्ध अर्बन प्लानिंग विशेषज्ञता का लाभ उठाया जा सकता है।

बैठक से पूर्व नोएडा और ग्रेटर नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर चुके सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन मिस्टर मार्क ली और प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और निवेश-अनुकूल नीतियों की सराहना की। उन्होंने ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित हो रहे फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क, मेडिकल डिवाइसेज पार्क और सेमीकण्डक्टर क्लस्टर को अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बताया। प्रतिनिधिमण्डल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की पारदर्शी और त्वरित कार्यप्रणाली वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ाती है। सिंगापुर की कम्पनियां राज्य के साथ दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी के लिए उत्साहित हैं।

चेयरमैन मिस्टर मार्क ली ने भारत और सिंगापुर के प्रगाढ़ एवं ऐतिहासिक सम्बन्धों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा को इस दिशा में ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में विकसित एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, आधुनिक वेयरहाउसिंग, सुनियोजित इण्डस्ट्रियल पार्क्स और प्रगतिशील औद्योगिक नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि नए उत्तर प्रदेश में सिंगापुर की कम्पनियों के लिए व्यापक व्यावसायिक सम्भावनाएं मौजूद हैं।

एस0बी0एफ0-इण्डिया बिजनेस कमेटी के चेयरमैन श्री प्रसून मुखर्जी ने मुख्यमंत्री जी के विजनरी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि चेयरमैन मिस्टर मार्क ली के नेतृत्व में एस0बी0एफ0 का यह पहला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमण्डल है, जो सिंगापुर से बाहर किसी भारतीय राज्य के दौरे पर आया है। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के इन्फ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। इससे निवेशकों का भरोसा राज्य के प्रति कई गुना बढ़ा है।

यूनिवर्सल सक्सेस एण्टरप्राइजेज के प्रबन्ध निदेशक श्री प्रशांत मुखर्जी ने उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि फरवरी में मुख्यमंत्री जी की सिंगापुर यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 को धरातल पर उतारने में मुख्यमंत्री जी की टीम ने

असाधारण तत्परता और गति के साथ सहयोग किया है। वह वैश्विक मंचों पर अन्य अन्तरराष्ट्रीय निवेशकों के साथ भी उत्तर प्रदेश सरकार के कमिटमेंट, पारदर्शिता और कार्य करने की अभूतपूर्व स्पीड के अनुभव साझा करते हैं।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री जी ने मेसर्स ग्रेटर नासिक इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड को पात्रता प्रमाण पत्र प्रदान किया। सिंगापुर आधारित यूनिवर्सल सक्सेस एण्टरप्राइजेज समूह से जुड़ी इस कम्पनी को यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र के सेक्टर 8डी में 775 करोड़ रुपये के निवेश से एकीकृत विनिर्माण 'यूनिवर्सल पैकेजिंग हब' स्थापित करने के लिए 50 एकड़ भूमि के सापेक्ष यह प्रमाणपत्र सौंपा गया। परियोजना में सिंगापुर से प्रत्यक्ष विदेशी इक्विटी शामिल है। इससे 1,880 प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

प्रदेश में नए निवेश को गति देने के लिए वैश्विक कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण कम्पनी एग्रोकोर्प इण्टरनेशनल के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान किया गया। कम्पनी उत्तर प्रदेश में सोया प्रोटीन आइसोलेट और चना प्रोटीन कन्सन्ट्रेट के उत्पादन के लिए अत्याधुनिक ग्रीनफील्ड मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी स्थापित करेगी। इससे प्रदेश के एग्री-प्रोसेसिंग और वैल्यू-एडिशन ईकोसिस्टम को मजबूती मिलेगी तथा कृषि आधारित उद्योगों के विस्तार को गति मिलेगी।

सतत अपशिष्ट प्रबन्धन के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक कम्पनी ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेन्टल सॉल्यूशंस के साथ भी एमओयू का आदान-प्रदान किया गया। कम्पनी प्रदेश में 250 से 350 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश से नोएडा के सेक्टर-145 में लगभग 7.5 लाख टन लिगेसी वेस्ट के उपचार और जनपद सहारनपुर में 350 टन प्रतिदिन क्षमता वाले फ्रेश वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट की स्थापना पर कार्य करेगी। इन परियोजनाओं से 100 से 120 लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

इस अवसर पर वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', औद्योगिक विकास राज्यमंत्री श्री जसवन्त सिंह सैनी, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सीईओ श्री कोक पिंग सून, आईएचसीएल (टाटा ग्रुप) के एमडी एवं सीईओ श्री पुनीत छतवाल, एग्रोकोर्प इण्टरनेशनल के सीईओ श्री विशाल विजय, ब्लू प्लैनेट एनवायरनमेन्टल सॉल्यूशंस के सीईओ श्री प्रशांत सिंह, पीएसए इण्डिया के एमडी श्री पवित्रन एम कल्लाडा, सेम्बकोर्प के एजीएम श्री विनीत यादव सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और औद्योगिक विकास से जुड़े वरिष्ठ प्रतिनिधि उपस्थित रहे।